

05401

MASTER OF ARTS (EDUCATION)

Term-End Examination

December, 2018

**MES-012 : EDUCATION : NATURE AND
PURPOSES**

Time : 3 hours

Maximum Weightage : 70%

-
- Note : (i) All questions are compulsory.
(ii) All questions carry equal weightage.*
-

1. Answer the following question in about 600 words :

John Dewey's philosophy describes "Education as reconstruction and reorganization of Experiences." Elaborate with examples.

OR

Differentiate between behaviourist and Humanistic approaches to curriculum development with examples.

2. Answer the following question in about 600 words :

Explain the four major philosophies that influence curricular design.

OR

Describe the Aims of Education according to Upanishadic philosophy. How can these aims be integrated in the present day school curriculum ?

3. Answer any four of the following questions in about 150 words each :
- (a) Explain the cognitive perspective in education.
 - (b) Scope of vocational education in the Indian context.
 - (c) Explain how knowledge is gained from the sense experiences.
 - (d) Describe the aims of education in Buddhism.
 - (e) Describe the sources and types of knowledge in Islamic tradition.
 - (f) Describe the sociological considerations in planning a curriculum.

4. Answer the following question in about 600 words :

Explain the following categorizations of knowledge with examples.

- (a) Basic discipline
 - (b) Applied discipline and
 - (c) Multidisciplinary or Interdisciplinary and justify the multidisciplinary nature of education.
-

शिक्षा में परास्नातक

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2018

एम.ई.एस.-012 : शिक्षा : प्रकृति एवं प्रयोजन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
जॉन डिवी का दर्शन वर्णन करता है कि "शिक्षा अनुभवों की पुनर्रचना तथा पुनर्संगठन है।" उदाहरण द्वारा वर्णन कीजिए।

अथवा

पाठ्यचर्या विकास के व्यवहारवादी एवं मानवतावादी उपागमों में उदाहरण द्वारा अन्तर स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
पाठ्यचर्या निर्माण को प्रभावित करने वाले चार प्रमुख दर्शनों की व्याख्या कीजिए।

अथवा

उपनिषद दर्शन के अनुसार शिक्षा के लक्ष्यों का वर्णन कीजिए।
वर्तमान विद्यालयी पाठ्यचर्या में इन लक्ष्यों को किस प्रकार समाकलित किया जा सकता है?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

- (a) शिक्षा में संज्ञानात्मक परिप्रेक्ष्य की व्याख्या कीजिए।
- (b) भारतीय संदर्भ में व्यावसायिक शिक्षा का विषयक्षेत्र।
- (c) इन्द्रियों द्वारा अनुभव से किस प्रकार ज्ञान प्राप्त किया जाता है व्याख्या कीजिए।
- (d) बौद्ध धर्म के अनुसार शिक्षा के लक्ष्यों का वर्णन कीजिए।
- (e) इस्लाम परंपरा में ज्ञान के स्रोत एवं प्रकार का वर्णन करें।
- (f) पाठ्यचर्या नियोजन में समाजशास्त्रीय विचारों का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।
ज्ञान के निम्नलिखित वर्गीकरणों का उदाहरण द्वारा व्याख्या कीजिए।

- (a) मूलभूत शास्त्र
- (b) अनुप्रयुक्त शास्त्र
- (c) बहुशास्त्रीय या अंतर्शास्त्रीय तथा शिक्षा की बहुशास्त्रीय प्रकृति का औचित्य बताइए।